

एजुकेशन

CTET 2018 के रजिस्ट्रेशन के लिए बढ़ सकता है इंतजार, नहीं आई नई डेट

CTET 2018- केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) 2018 के लिए रजिस्ट्रेशन कराने का इंतजार कर रहे देश के लाखों युवाओं कुछ और इंतजार करना पड़ेगा। परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 22 जून से शुरू होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इस प्रक्रिया को कुछ दिनों के लिए रोक दिया गया है। बोर्ड ने अभी तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की नई डेट भी जारी नहीं की। माना जा रहा है कि रजिस्ट्रेशन की नई तिथियां जल्द ही घोषित की जा सकती हैं। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया कब से शुरू होगी इसकी नई तारीख जल्द ही जारी की जा सकती है।

सीटेट परीक्षा दो साल बाद आयोजित हो रही है। ऐसे में शिक्षक बनने का ख्वाब संजो रहे लाखों युवा बेसब्री से आवेदन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। परीक्षा 16 सितंबर को आयोजित होगी।

सीबीएसई की ओर से सीटेट के आयोजन की जो अधिसूचना पहले जारी की गई थी उसमें परीक्षा की भाषाओं को घटाकर तीन कर दिया गया था। मानव संसाधन विकास मंत्री ने 18 जून को बोर्ड को परीक्षा 20 भाषाओं में आयोजित कराने को कहा है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने की नई तिथि घोषित होने पर उम्मीदवार CTET SEPT 2018 परीक्षा के लिए इसकी आधिकारिक वेबसाइट ctet.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

IIT बॉम्बे में पढ़ाई करना चाहते हैं ज्यादातर JEE Advanced टॉपर

आईआईटी जेईई एडवांस्ड टॉपर्स ने कंप्यूटर साइंस कोर्स और आईआईटी बॉम्बे संस्थान को अपनी पहली पसंद के तौर पर चुना है। बुधवार को आईआईटी की सीट अलॉटमेंट लिस्ट जारी हुई। ज्वॉइंट सीट अलोकेशन अथॉरिटी (जे ओएसए) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक चार वर्षीय कंप्यूटर साइंस कोर्स के लिए सबसे ज्यादा आवेदन आए हैं। खासतौर पर टॉप रैंकर्स ने इसी कोर्स के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा संस्थान की बात करें तो आईआईटी बॉम्बे भी छात्रों के बीच टॉप च्वाइंस है। इसके बाद आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास, आईआईटी खड़पुर और आईआईटी कानपुर हैं।

जनरल, महिला, एससी, एस्टी, ओबीसी समेत सभी कैटेगरीज में ऑल इंडिया रैंक (AIR) 1 ने आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर साइंस कोर्स को चुना है। जेईई एडवांस्ड ऑल इंडिया रैंक 8 और मुंबई के टॉपर ऋषि अग्रवाल ने कहा- पूरा यकीन था कि आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर साइंस में मुझे दाखिला मिल जाएगा। मैं बहुत खुश हूँ।

आईआईटी में स्टूडेंट्स को उनके जेईई एडवांस्ड स्कोर के आधार पर दाखिला मिलता है। इसके नतीजे 10 जून को जारी किए गए थे।

भारतीय स्टूडेंट्स को कनाडा का तोहफा, अब 45 दिनों में ही मिलेगा स्टूडेंट वीजा

कनाडा में पढ़ाई करने जा रहे छात्रों के लिए कनाडा सरकार ने तोहफा दिया है। कनाडा ने भारत समेत चार देशों के लिए स्टूडेंट वीजा नियमों में ढील दी है। इसकी प्रोसेसिंग में लगने वाला समय भी कम कर दिया है। हाल ही में पेश नए प्रोग्राम स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के तहत प्रोसेसिंग टाइम घटने से 45 दिन में ही स्टूडेंट वीजा मिल सकेगा। इससे पहले इस प्रोसेस में 60 दिन लगते थे। भारत के अलावा कनाडा के इस स्टेप से चीन, वियतनाम और फिलीपींस के स्टूडेंट्स को फायदा मिलेगा। बस शर्त ये है कि स्टूडेंट्स को पहले बताना होगा कि उनके पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन और लैंग्वेज स्किल्स हैं। इसके बाद ही वे एसडीएस प्रोग्राम के तहत कनाडा में पढ़ाई करने के लायक बन सकेंगे।

भारत-कनाडा ने 2010 में किया था समझौता शिक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग के लिए भारत और कनाडा ने जून 2010 में समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत स्टूडेंट्स और फैकल्टी एक्सचेंज, रिसर्च और करिक्कुलम डेवलपमेंट, एक-दूसरे एजुकेशनल क्वालिफिकेशंस को मान्यता देना शामिल है।



कनाडा ने पढ़ाई करने जा रहे छात्रों के लिए कनाडा सरकार ने तोहफा दिया है। कनाडा ने भारत समेत चार देशों के लिए स्टूडेंट वीजा नियमों में ढील दी है। इसकी प्रोसेसिंग में लगने वाला समय भी कम कर दिया है। हाल ही में पेश नए प्रोग्राम स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के तहत प्रोसेसिंग टाइम घटने से 45 दिन में ही स्टूडेंट वीजा मिल सकेगा। इससे पहले इस प्रोसेस में 60 दिन लगते थे। भारत के अलावा कनाडा के इस स्टेप से चीन, वियतनाम और फिलीपींस के स्टूडेंट्स को फायदा मिलेगा। बस शर्त ये है कि स्टूडेंट्स को पहले बताना होगा कि उनके पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन और लैंग्वेज स्किल्स हैं। इसके बाद ही वे एसडीएस प्रोग्राम के तहत कनाडा में पढ़ाई करने के लायक बन सकेंगे।

भारत-कनाडा ने 2010 में किया था समझौता शिक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग के लिए भारत और कनाडा ने जून 2010 में समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत स्टूडेंट्स और फैकल्टी एक्सचेंज, रिसर्च और करिक्कुलम डेवलपमेंट, एक-दूसरे एजुकेशनल क्वालिफिकेशंस को मान्यता देना शामिल है।

रेलवे ला रही स्मार्ट मैनु, ट्रेनों में यात्रियों को होगा ये फायदा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे खानपान सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार एवं शिकायतों को कम करने के लिए 15 जुलाई से ट्रेनों में खानपान सेवाओं को आधुनिक बनाने एवं स्मार्ट मैनु लागू करेगी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि 15 जुलाई से रेलयात्रियों को खानपान सेवाओं में आमूलचूल बदलाव दिखायी देगा और खराब गुणवत्ता सहित कई शिकायतों पर काफी हद तक लगाम लग जाएगी। उन्होंने कहा कि राजधानी, शताब्दी और दूरतो गाड़ियों में हवाई जहाज की तर्ज पर तीन माह के अंदर ट्रॉली की व्यवस्था की लागू कर दी जाएगी। खाने के साथ सैनिटाइज़र भी उपलब्ध कराया



जाएगा। लेकिन खानपान सेवाओं में सुधार के लिए यात्रियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों को उतना ही किराया देना होगा जितना अभी देते हैं। उन्होंने कहा कि गाड़ियों में परोसे जाने वाले मैनु में भी सुधार किया जाएगा। उसके व्यंजनों को इस प्रकार से समायोजित किया जाएगा जिससे वह जल्दी खराब ना हो और उसे आसानी

से लाया ले जाया सके। व्यंजनों में सूप परोसना बंद किया जाएगा और मांसाहारी भोजन में अब बोनलेस चिकन दिया जाएगा। नाश्ते में चॉकलेट बार भी दी जाएगी। भोजन में रसदार सब्जियों की बजाय सूखी सब्जियों को तरजीह दी जाएगी। अधिक से अधिक व्यंजन प्री-पैकड होंगे। भोजन को बॉयो डिग्रेडेबल ट्रे में परोसा जाएगा जिसे इस्तेमाल के बाद फेंका जा सके। सूत्रों ने बताया कि खाना लाने ले जाने या परोसने वाले कर्मचारियों की नई यूनिफॉर्म होगी। भोजन को परोसने एवं लाने ले जाने के लिए ई-कार्ट का प्रयोग किया जाएगा और मानवीय हस्तक्षेप को कम किया जाएगा।

1 रुपए का कर्ज, बैंक ने जल्द कर लिया लाखों का सोना

नईदिल्ली (आरएनएस)। विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे उद्योगपति बैंकों से हजारों करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए, लेकिन इन्हीं बैंकों में कई बार आम लोगों को छोटी-छोटी बातों के लिए परेशान किया जाता है। ऐसा ही एक मामला तमिलनाडु में सामने आया है, जहां महज 1 रुपये के लिए एक ग्राहक का लाखों रुपये का सोना नहीं लौटाया गया। मामला अब हाई कोर्ट में पहुंच गया है।

कांचीपुरम में एक कोऑपरेटिव बैंक ने 1 रुपये के डिफॉल्ट का आरोप लगाकर कस्टमर सी कुमार द्वारा गिरवी रखे गए 3.5 लाख रुपये मूल्य का सोना (169 ग्राम) जब्त कर लिया। और ऐसा भी नहीं है कि कुमार एक रुपये का भुगतान नहीं करना चाहते थे, लेकिन बैंक द्वारा परेशान किए जाने के बाद अब उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कांचीपुरम सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के ग्राहक सी कुमार ने 6 अप्रैल 2010 को 31 ग्राम सोना गिरवी रखा और 1.23 लाख रुपये का लोन लिया। 28 मार्च 2011 को उन्होंने ब्याज सहित बैंक का कर्ज चुका दिया, लेकिन बैंक का रिकॉर्ड बताता है कि 1 रुपया पेंडिंग रह गया। इसके बाद 9 फरवरी 2011 को उन्होंने 85 ग्राम सोना गिरवी रखकर 1.05 लाख रुपये का लोन लिया।

एटीएम से रुपए निकालना अब होगा महंगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। महंगाई की मार झेल रही आम जनता को अब बैंक झटका देने वाले हैं। आने वाले दिनों में एटीएम से ट्रांजैक्शन महंगा हो सकता है। आरबीआई द्वारा सभी बैंकों को एटीएम अपग्रेडेशन करने के निर्देश के बाद बढ़ने वाले वित्तीय बोझ को वसूलने के लिए बैंक एटीएम से ट्रांजैक्शन पर चार्ज बढ़ा सकते हैं। बैंकों ने इसे ग्राहकों

पर डालने के लिए आरबीआई से अनुमति मांगी है। एटीएम अपग्रेडेशन से होने वाले वित्तीय बोझ को वसूलने के लिए बैंक एटीएम ट्रांजैक्शन चार्ज में दो तरह से बढ़ोतरी कर सकते हैं। वे फ्री ट्रांजैक्शन खत्म होने पर लिए जाने वाले 18 रुपये वाले चार्ज में बढ़ोतरी कर सकते हैं या एटीएम से फ्री एटीएम ट्रांजैक्शंस की संख्या कम कर सकते हैं।

चीन में सख्ती से भारत में महंगी होंगी दवाइयां!

मुंबई (आरएनएस)। पर्यावरण संबंधी चिंताओं की वजह से चाइनीज कंपनियों पर लटक रहे ताले से भारत के फार्मा सेक्टर को बड़ा आघात लग सकता है। मार्केट के जानकारों के मुताबिक, इससे भारत में दवाओं की आपूर्ति पर असर पड़ेगा और इनकी कीमतें भी बढ़ सकती हैं। दवा निर्माण के लिए भारत 85 पसेंट एक्टिव फार्मास्यूटिकल इन्ग्रीडियेंट (एपीआई) का आयात चीन से ही करता है और इनकी कीमतें 120 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

रातों रात 'करोड़पति बने एसबीआई के 22 ग्राहक

मलापपुरम (आरएनएस)। केरल के मलापपुरम जिले के 22 लोग रातों रात 'करोड़पति' और 'लखपति' बन गये जब सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के उनके खातों में तकनीकी खामी के कारण 90 लाख से 19 करोड़ रुपये अज्ञात सूत्रों के हवाले से जमा हो गये। बैंक की इस गलती का खुलासा तब हुआ जब प्रसिद्ध स्वास्थ्य संस्था कोट्टक्कल आयुर्वेद्य साला के कर्मचारी इन लोगों ने अपने वेतन भुगतान की जानकारी के लिए अपने खातों की जांच की। कर्मचारियों ने बताया कि इस बात की औपचारिक शिकायत करने से पहले ही उनके खातों के सील कर दिया गया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- एलोरा एवं एलिफेंटा गुहा मंदिरों का निर्माण राष्ट्रकूटों के समय ही हुआ।
- एलोरा में 34 सेलकृत गुफाएं हैं इसमें एक से बारह तक बौद्धों तरह से उन्तीस तक हिंदुओं एवं तीस से 34 तक जैनों की गुफाएं हैं। बौद्ध गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध विश्वकर्मा गुफा है इसमें एक चैत्य है वहां पर दो मंजिले और तीन मंजिली गुफाएं भी हैं जिन्हें दो थल तथा तीन थल नाम दिया गया है एलोरा की गुफा पंद्रह में विष्णु को नरसिंह अर्थात् पुरुष सिंह के रूप में दिखलाया गया है।
- राष्ट्रकूट, शैव, वैष्णव, शाक्त संप्रदायों के साथ साथ जैन धर्म के भी उपासक थे।
- राष्ट्र कूटों ने अपने राज्यों में मुस्लमान व्यापारियों को बचाने तथा इस्लाम के प्रचार की स्वीकृति दी थी।
- कल्याणी के चालुक्य वंश की स्थापना तैलप 2 ने की थी।
- सोमेश्वर प्रथम ने मान्यखेट से राजधानी हटाकर कल्याणी को बनाया।
- इस वंश का सबसे प्रतापी शासक विक्रमादित्य 5 था।
- विल्हण एवं विज्ञानेश्वर विक्रम

आदित्य पांच के दरबार में ही रहते थे।
- मिताक्षरा नामक ग्रंथ की रचना महान विधिवेत्ता विज्ञानेश्वर ने की थी।
- विक्रमां का देव चरित की रचना विलहण ने की थी इसमें विक्रमादित्य पांच के जीवन पर प्रकाश डाला गया है।
- जय सिंह ने वातापि के चालुक्य वंश की स्थापना की जिसकी राजधानी वातापि थी। इस वंश के प्रमुख शासक थे - पुलकेसीन प्रथम, कीर्तिवर्मन, पुलकेसीन दो विक्रमादित्य, विनय आदित्य एवं विजय आदित्य। इनमें सबसे प्रतापी राजा पुलकेसीन दो था।
- महाकूट स्तंभ लेख से प्रमाणित होता है कि पुलकेसीन दो बहू सुवर्ण एवं अग्निश्रेय यज्ञ संपन्न करवाया था। जीतेन्द्र का मेगुती मंदिर पुलकेसीन दो ने बनवाया था।
- पुलकेशिन -2 ने हर्षवर्द्धन को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की थी। इसने दक्षिणापथेश्वर की उपाधि भी धारण की थी।
- इस वंश का सबसे प्रतापी शासक विक्रमादित्य 5 था।
- विल्हण एवं विज्ञानेश्वर विक्रम

642 ई. में परास्त किया और उसकी राजधानी बादामी -2 मारा गया। इसी विजय के बाद नरसिंहवर्मन ने वातापिकोड की उपाधि धारण की।
- एहोल अभिलेख का संबंध पुलकेशिन-2 से है।
- अजन्ता के एक गुहाचित्र में फारसी दूत मंडल को स्वागत करता हुए पुलकेशिन-2 को दिखाया गया है।
- वातापी का निर्माणकर्ता कीर्तिवर्मन को माना गया है।
- विक्रमादित्य-2 के शासनकाल में ही दक्कन में अरबों ने आक्रामण किया। इस आक्रामण का मुकाबला विक्रमादित्य के भतीजा पुलकेशिन ने किया। इस अभियान की सफलता पर विक्रमादित्य दो ने इसे अविजयनाश्रय की उपाधि प्रदान की।
- विक्रमादित्य -2 की प्रथम पत्नी लोकमहादेवी ने पट्टदकल में विरूपाक्षमहादेव मंदिर तथा उसकी दूसरी पत्नी त्रैलोक्य देवी ने त्रैलोकेश्वर मंदिर का निर्माण करवाई।

हेल्थ

एक्यूप्रेसर और म्यूजिक थेरपी से टेंशन हो जाएगा छुंमंतर

अवसाद और तनाव की समस्या पूरी दुनिया में अपने पैर पसार रही है। भारत में बहुत से लोग तो इसके बारे में जानते



तक नहीं हैं, जिससे स्थिति और बदतर हो जाती है। पूरी दुनिया में तनाव से मुक्ति पाने के लिए कई तरह के उपचार मौजूद हैं, हम आपको ऐसी ही कुछ

थेरपी के बारे में बता रहे हैं -
एक्यूप्रेसर थेरपी है कारगर
पुराने समय से ही एक्यूप्रेसर थेरपी का प्रयोग कई बीमारियों को ठीक करने में किया जाता रहा है। इस थेरपी में पीड़ित व्यक्ति के शरीर के कुछ पॉइंट्स पर दबाव डालकर इलाज करने की प्रक्रिया अपनाई जाती है। ऐसे ही तनाव से जूझ रहे लोगों के लिए भी एक्यूप्रेसर थेरपी काफी काम आ सकती है। इससे सभी बाधाएं दूर होती हैं और आपकी बाँड़ी में नई ऊर्जा का संचार होता है।

म्यूजिक थेरपी करेगी तनाव मुक्त
हम सबको संगीत पसंद होता है और हर व्यक्ति अपनी-अपनी रूचि के अनुसार संगीत सुनता है। ऐसा माना जाता रहा है कि संगीत से मन की शांति और तनाव से मुक्ति मिलती है। ऐसे में म्यूजिक थेरपी आपके काफी काम आ सकती है। इस थेरपी में व्यक्ति के स्वभाव, समस्या और आसपास के माहौल के मुताबिक उसे संगीत सुनाया जाता है। इससे व्यक्ति को कई मानसिक बीमारियों से छुटकारा मिलता है। जैसे-जैसे व्यक्ति संगीत में डूबता जाता है, वैसे-वैसे उसको आराम महसूस होने लगता है।

नैचुरोपैथी भी है फायदेमंद
आजकल कई बीमारियों का इलाज प्राकृतिक चिकित्सा में मिलने लगा है और पूरी दुनिया में अब इसकी अहमियत को समझा जाता है। ऐसे ही स्ट्रेस के मामले में भी प्राकृतिक चिकित्सा काफी काम आ सकती है। नैचुरोपैथी के जरिए पीड़ित व्यक्ति को कई तरह के प्राकृतिक तेल और फूलों की खुशबू की मदद से तनाव से राहत दिलाई जाती है।

तनाव को जड़ से खत्म करेगा योग
इन दिनों पूरी दुनिया में योग का प्रसार हो रहा है। योग आजकल की लाइफस्टाइल में खुद को सेहतमंद रखने के लिए सबसे जरूरी है। तनाव से मुक्ति के लिए भी योग सबसे अच्छा उपाय है। योग में कई आसन ऐसे हैं, जो आपको शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करते हैं और लाइफ को बेहतर बनाते हैं।

हंसकर दूर भगाएं तनाव
तनाव को दूर करने के लिए आजकल कई बड़े शहरों में लाफ्टर क्लब खुल रहे हैं। तनाव को दूर करने के लिए हंसना बहुत कारगर है। जैसे-जैसे आप हंसना शुरू करते हैं वैसे-वैसे आपका स्ट्रेस लेवल कम होता जाता है।

जंक फूड शरीर को पहुंचाते हैं नुकसान रहता है बीमारियों का खतरा!

जंक फूड खाने से कई तरह की बीमारियों का खतरा रहता है। जंक फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, नमक और चीनी की अधिक मात्रा का सीधा असर लीवर और पैनक्रियाज



पर होता है। इससे शरीर में शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर और कलेस्ट्रॉल लेवल में इजाफा होने लगता है। इन सब कारणों से 15-16 साल के बच्चों में भी न

सिर्फ मोटापा बढ़ता है बल्कि वे छोटी उम्र में ही डायबीटीज के शिकार हो जाते हैं और 30-35 साल तक पहुंचते-पहुंचते उन्हें हार्ट की बीमारी हो जाती है।

237 किलो वाले किशोर का फेवरिट फूड पास्ता था
दिल्ली के 14 साल के किशोर मिहिर का वजन 237 किलो था और वह दुनिया का सबसे वजनी किशोर था। डॉक्टरों ने मिहिर की वेट रिडक्शन सर्जरी की जिसके बाद उसका वजन अब 177 किलो हो गया है। मिहिर का कहना है कि पिज्जा पास्ता उसका फेवरिट खाना था और क्लास 2 के बाद उसने स्कूल जाना भी बंद कर दिया था और फिजिकल ऐक्टिविटी बिलकुल नहीं करता था जिस वजह से उसका वजन लगातार बढ़ता रहा। डॉक्टरों की मानें तो जरूरत से ज्यादा फास्ट फूड और जंक फूड के सेवन शरीर को कई तरह से नुकसान पहुंचाता है।

ज्यादा जंक फूड खाने से बढ़ता है मोटापा -जंक फूड खाने से कई तरह की बीमारियों का खतरा रहता है। जंक फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, नमक और चीनी की अधिक मात्रा का सीधा असर लीवर और पैनक्रियाज पर होता है। इससे शरीर में शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर और कलेस्ट्रॉल लेवल में इजाफा होने लगता है। इन सब कारणों से 15-16 साल के बच्चों में भी न सिर्फ मोटापा बढ़ता है बल्कि वे छोटी उम्र में ही डायबीटीज के शिकार हो जाते हैं। **फिजिकल ऐक्टिविटी है बेहद जरूरी** - अपोलो स्पेक्ट्रम हॉस्पिटल के वेट लॉस सर्जन डॉ. आशीष भनोत ने कहा कि बच्चों में मोटापे को कम करने के लिए सबसे ज्यादा उनकी कैलरी पर कंट्रोल करना होगा। जंक फूड के जरिए वे ज्यादा से ज्यादा कैलरी लेते हैं, लेकिन फिजिकल ऐक्टिविटी बिलकुल नहीं करते जिस वजह से उनकी कैलरी बर्न नहीं होती और यह फैट के रूप में बाँड़ी के अंदर जमा होने लगती है।